"प्रश्न-पत्र पर क्रमांक (रोल नम्बर) के अतिरिक्त कुछ भी न लिखें, अन्यथा इसे अनुचित साधनों का प्रयोग माना जायेगा तथा नियमों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।"

"Do not write anything on question-paper except Roll Number, otherwise it shall be deemed as an act of indulging in unfair means and action shall be taken as per rules."

Roll No. .....

B.A. (F) (R + P)

3082

B.A. Final (Regular + Private)
Examination, 2023

(Three Year Degree Course)

हिंदी साहित्य

Paper–II

हिंदी भाषा एवं साहित्य का इतिहास

Time Allowed : **Three** Hours

Maximum Marks 100

भाग–अ (Part–A)

Note :– भाग-अ के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। इन प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक **30** शब्दों तक सीमित हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।

https://www.jnvuonline.com

भाग–ब

नोट :– प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न का चयन करते हुए, कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **250** शब्दों का हो। प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है।

भाग–स

नोट :– इस भाग से कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **500** शब्दों का हो। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।

भाग–अ

सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं :

(i) निम्नलिखित पंक्ति में रेखांकित शब्दों के अर्थ लिखिए :

तदन्तर बैठी सभा <u>उटज</u> के आगे,

<u>नीले वितान</u> के तले दीप बहु जागे।

(ii) 'आँसू' कविता की मूल संवेदना बताइए।

(iii) 'भिक्षुक' किसकी रचना है ?

(iv) 'वाणी' किस प्रकार की रचना है ?

https://www.jnvuonline.com

(v) 'कुन्ती और कर्ण' कविता किस खण्डकाव्य एवं कौनसे सर्ग से ली गई है ?

(vi) 'यह दीप अकेला' कविता की मूल संवेदना लिखते हुए रचनाकार का नाम बताइए।

(vii) अयोध्या सिंह उपाध्याय की चार रचनाओं के नाम लिखिए।

(viii) माखनलाल चतुर्वेदी को किस उपनाम से जाना जाता है ?

(ix) धर्मवीर भारती कौनसे सत्पक में शामिल किये गये थे ?

(x) केदारनाथ अग्रवाल की दो काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

भाग-ब

नोट :- प्रश्न संख्या 2, 3 और 4 में दिये गये पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए तथा प्रश्न संख्या 5 एवं 6 में दिये गये प्रश्नों पर टिप्पणी लिखिए।

https://www.jnvuonline.com

इकाई-I

2. ठंडी होगी देह न मेरी, रहे दृगम्बु-सनी,
तू ही उसे उष्ण रक्खेगी, मेरी तपन-मनी!
आ, अभाव की एक आत्मजे, और अदृष्टि-जनी !
तेरी ही छाती है सचमुच, उपमोचित्स्तानी!
अरी वियोग-समाधि, अनोखी, तू क्या ठीक ठनी,
अपने को, प्रिय को, जगती को, देखूँ खिंची-तनी !

अथवा

श्रम-विश्राम क्षितिज-बेला से
जहाँ सृजन करते मेला से
अमर जागरण उषा नयन से
बिखराती हो ज्योति घनी रे।

इकाई-II

3. तिमिरांचल में चंचलता का नहीं कहीं आभास,
मधुर मधुर हैं दोनों उसके अधर
किंतु जरा गम्भीर, नहीं है उनमें हास-विलास।

https://www.jnvuonline.com

हँसता है तो केवल तारा एक

गुँथा हुआ उन घुँघराले, काले-काले बालों से,

हृदय-राज्य की रानी का वह, करता है अभिषेक।

अथवा

हाय! मृत्यु का ऐसा अमर अपार्थिव पूजन ?

जब विषण्ण, निर्जीव पड़ा हो जग का जीवन।

संग-सौध में हो शृंगार मरण का शोभन ?

नग्न, क्षुधातुर, वास-विहीन रहें जीवित जन ?

मानव! ऐसी भी विरक्ति क्या जीवन के प्रति ?

आत्मा का अपमान, प्रेत औ छाया से रति।

इकाई–III

4. बेटा, धरती पर बड़ी दीन है नारी,

अबला होती, सचमुच, पोषिता कुमारी।

है कठिन बन्द करना समाज के मुख को,

सिर उठा न पा सकती पतिता निज सुख को।

https://www.jnvuonline.com

अथवा

यह प्रतिज्ञा की हमारा दाय है लम्बे युगों की

साधना का, जिसे हमने धर्म जाना।

स्वयं अपनी अस्थियाँ देकर हमीं ने असत् पर

सत् की विजय का मर्म जाना।

इकाई–IV

5. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की काव्यगत विशेषताएँ बताइए। https://www.jnvuonline.com

अथवा

माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य राष्ट्रीय चेतना पर टिप्पणी लिखिए।

इकाई–V

6. धर्मवीर भारती की रचनाओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

केदारनाथ अग्रवाल की काव्यगत विशेषताओं पर टिप्पणी लिखिए।

https://www.jnvuonline.com

भाग-स

7. 'कैकेयी अनुताप' के भाव एवं कला पक्ष पर प्रकाश डालिए।

8. "आँसू में प्रेम विरह का उच्छ्वासपूर्ण वर्णन है।" कथन के आधार पर 'आँसू' रचना की विवेचना कीजिए।

9. "प्रयोगवाद आधुनिक हिन्दी कविता में नये, शिल्प प्रतीक और बिम्ब प्रयोग के लिए विशेष महत्व रखता है।" कथन के आलोक में अज्ञेय के काव्य पर प्रकाश डालिए।

10. 'परिवर्तन' कविता की संवेदना की विस्तार से विवेचना कीजिए।

11. "दिनकर राष्ट्रीय चेतना के कवि हैं।" कथन की हिमालय कविता के संदर्भ में विवेचना कीजिए।

https://www.jnvuonline.com